नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण पर जोर

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण केवल परंपरा निभाने का अवसर नहीं था, बल्कि यह राष्ट्र को स्पष्ट संदेश देने का क्षण था. इस बार का भाषण तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रहा—आंतरिक और बाहरी सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण.प्रधानमंत्री ने आतंकवाद और उसे समर्थन देने वालों के बीच कोई भेद न करने की नीति को भारत का नया एजेंडा घोषित कर दिया है. यह वही कठोर रुख है जिसने ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों को जन्म दिया, जहां भारत ने पाकिस्तान को भारी क्षति पहुंचाकर यह साबित कर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में हम किसी भी हिचकिचाहट से परे हैं. प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारत अब परमाणु ब्लैकमेल के युग को समाप्त मानता है—कोई भी दुस्साहस , निर्णायक उत्तर पाएगा. यह संदेश केवल पाकिस्तान या चीन के लिए नहीं, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए है जो भारत की संप्रभुता को चुनौती देना चाहती हैं. प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकसित भारत का आधार आत्मनिर्भरता ही होगा. %मेड इन इंडिया% चिप का 2025 तक उत्पादन शुरू होना भारत की तकनीकी स्वतंत्रता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है. दाम कम, दम ज़्यादा का नारा केवल आर्थिक रणनीति नहीं बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारतीय उत्पादों की पहचान है. उन्होंने जीएसटी सुधारों का संकेत देकर मध्यम वर्ग और आम नागरिकों के कर बोझ को हल्का करने का भरोसा जगाया. ऊर्जा क्षेत्र में 2047 तक आत्मनिर्भरता का लक्ष्य भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने के रोड मैप का अहम हिस्सा है. प्रधानमंत्री ने सिंधु जल संधि को एकतरफा और अन्यायपूर्ण बताते हुए किसानों के अधिकारों पर जोर दिया. उनका कहना कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते पाकिस्तान के प्रति भारत की नई सख्ती का प्रतीक है. साथ ही उन्होंने घुसपैठियों द्वारा जनसांख्यिकी बदलने के षड्यंत्रों के खिलाफ आगाह किया. यह राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का आह्वान है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने संघ को राष्ट्रसेवा की परंपरा का स्तंभ बताया. आपातकाल की 50 वीं बरसी पर संविधान की हत्या की याद दिलाना लोकतंत्र की रक्षा का सशक्त संदेश था. वहीं प्रयागराज का महाकुंभ भारत की एकता, आस्था और शक्ति का प्रतीक बताया गया. कुल मिलाकर प्रधानमंत्री का भाषण केवल भविष्य की योजनाओं का खाका नहीं बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का घोषणा पत्र है. सुरक्षा में आत्मविश्वास, अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भरता और समाज में आत्मगौरव,ये तीनों मिलकर भारत को अमृत काल में नई ऊंचाई देंगे. यह संदेश साफ है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं करेगा, बल्कि पहल करते हुए विश्व पटल पर अपनी शर्तों पर आगे बढ़ेगा. प्रधानमंत्री ने जहां बिना नाम लिए अमेरिका को परोक्ष चेतावनी दी, वहीं उन्होंने पाकिस्तान को भी साफ तौर पर बता दिया कि भारत किसी भी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है. दरअसल प्रधानमंत्री के पूरे भाषण का फोकस आत्मनिर्भरता की तरफ था.

विंध्य की डायरी

कांग्रेस के सृजन मंथन से निकले कुछ नए कुछ पुराने चेहरे

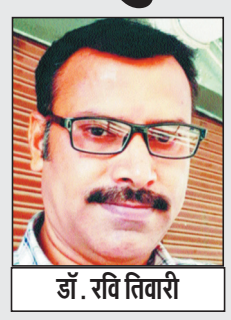

डॉ. रवि तिवारी

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की रणनीति पर अमल करते हुए विंध्य में कांग्रेस ने सृजन अभियान के मंथन पश्चात कुछ नए और कुछ पुराने चेहरो को सार्वजनिक कर दिया है. कही सक्षमता चयन का आधार तो कही अभी भी तुष्टिकरण से नही उभर पाई कांग्रेस, अध्यक्षो की सूची जारी होने के बाद विंध्य में भी विरोध के स्वर सुनाई देने लगे है. वरिष्ठ नेताओ की सहमति-असहमति के बीच सामने आए नवीन अध्यक्षों में विन्ध्य के सात जिलों में तीन पर कोई बड़ा परिवर्तन नहीं किया गया है. जैसे विधानसभा चुनाव के दौरान नवगठित मैहर जिलाध्यक्ष पद पर पहले से मनोनीत धर्मेश घई को आने वाले समय के लिए भी पात्र माना गया है.रीवा ग्रामीण अध्यक्ष पद पर पहले से काबिज राजेन्द्र शर्मा को मंथन के बाद भी उचित मानते हुए पुनः दायित्व सौप दिया गया है. इसी प्रकार सीधी में ज्ञान सिंह पर पुनः पार्टी ने विश्वास व्यक्त किया है. मऊगंज में आदिवासी चेहरे पर दांव खेला गया है. हरिलाल कोल को संगठन का दायित्व सौपा गया है. विन्ध्य के महत्वपूर्ण सतना जिले में मंथन के बाद दोनों अध्यक्षों को बदल दिया गया है. इस बार पार्टी ने राजनीति की नई धारा को महत्व देते हुए विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को जिलाध्यक्ष का दायित्व सौपा है. इसी तरह शहर अध्यक्ष का लम्बे समय से काम देख रहे मकसूद अहमद की जगह अल्पसंख्यक कोटे से आरिफ अहमद सिद्दीकी को जिम्मेदारी सौंपी गई है. जानकारों की राय यह है कि ऐसा आने वाली नई पीढी को मौका देने के उद्धेश्य किया गया है. रीवा के शहर अध्यक्ष पद पर भी परिवर्तन कर पार्षद रहे अशोक पटेल को अवसर दिया गया है. सिंगरौली जिले में भी

दोनों अध्यक्षों को बदल दिया गया है. पूर्व विधायक सरस्वती सिंह को ज्ञानेन्द्र द्विवेदी की जगह अध्यक्ष बनाया गया है.शहर अध्यक्ष के लिए प्रवीण सिंह चौहान को जिम्मा सौपा गया है. संगठन सृजन अभियान के मंथन के बाद विन्ध्य के लिए कांग्रेस ने अपनी नई टीम जनता के बीच खडी कर दी है.अब देखना यह है कि नई टीम संगठन के वरिष्ठ नेताओं की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है.

पर्यवेक्षको की रिपोर्ट तय करेगी नियुक्तियां

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संगठन चलाने का एक नया फार्मूला लागू किया है. भाजपा संगठन और राजनीतिक नियुक्तियां अब पर्यवेक्षको की रिपोर्ट के आधार पर होगी. विंध्य के सभी 9 जिलो में नियुक्त आब्जर्वर रायसुमारी के लिये आमद देने लगे है और रायसुमारी कर रहे है. भाजपा का संगठनात्मक ढ़ांचा बूथ तक मजबूत है संगठन को बेहतर ढ़ंग से संचालित करने के लिये पार्टी ने प्रदेश संगठन प्रभारियों की भी नियुक्ति कर रखी है. ऐसे में संगठन को नए सिरे से पारदर्शी और सर्वस्पर्शी बनाने के लिये आब्जर्वर नियुक्त किये गये है. इन्ही आब्जर्वर की राय और तैयार सूची पर संगठन और सरकार में राजनीतिक नियुक्तियां पार्टी करेगी. पार्टी की इस मंशा के पीछे सामूहिक सहभागिता की भावना जगाना है. सिंगरौली में पर्यवेक्षक सांसद-विधायक की मौजूदगी में रायसुमारी कर बंद लिफाफा लेकर भोपाल रवाना हो चुके है.

विरोध के स्वर में विधायक भूल गये शब्दों की मर्यादा

राजनीति में कहते है फूंक-फूंक कर कदम रखा जाता है और पार्टी के मंच से बोलने में शब्दो की मर्यादा का भी ध्यान रखा जाता है, फिर चाहे सता का ही विरोध क्यो न हो पर जब किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी करनी हो तब तो शब्दों की मर्यादा को कदापि नही भूलना चाहिये . मंगलवार को रीवा में न्याय सत्याग्रह के दौरान सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा विरोध के स्वर में शब्दो की मर्यादा भूल गए और रीवा पुलिस कप्तान को अर्धनारीश्वर तक कह डाले . जब अमर्यादित शब्दो से विधायक जी हमला कर रहे थे उस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कई पूर्व मंत्री, विधायकगण मौजूद थे . लेकिन किसी ने टोका तक नही, शायद कांग्रेस का यही संस्कार और मर्यादा हो . मंच में जिस तरह से शब्दो की बौछार की गई उससे कांग्रेस की जमकर किरकिरी हुई और विधायक ने अपना शक्ति प्रदर्शन भी न्याय सत्याग्रह के बहाने किया . क्या ऐसे अमर्यादित शब्दो के साथ रिमही जनता खड़े होने की सोचेगी, यह चिंतन का विषय है . बहरहाल बीस वर्ष से जनता ने बनवास दे रखा है .

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

श्री जगत प्रकाश नड्डा
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

> सिकल सेल एनीमिया के विरुद्ध भारत की लड़ाई सिर्फ़ एक आनुवंशिक रोग से लड़ने तक सीमित नहीं है—यह हाशिए पर रहने वाले हमारे देश के समूहों के लिए समानता, सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता है . मीना जैसी महिलाओं के अनुभवी मार्गदर्शन में, यह मिशन लक्षित स्वास्थ्य सेवा पहलों की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है, जो जनजातीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है . आइए, इस अभूतपूर्व प्रयास का जश्न मनाएं और एक स्वस्थ, अधिक समावेशी भारत के निर्माण के अपने संकल्प को दोहराएं .

भारत के आदिवासी समुदाय, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6 प्र.श. हैं, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं. फिर भी, इन समुदायों के कई व्यक्ति जानकारी के अभाव में सिकल सेल नामक अनुवांशिक बीमारी से जूझ रहे हैं. दशकों से इस बीमारी ने उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी गहरा असर डाला है, और यह बीमारी भौगोलिक अलगाव एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच के कारण और भी जटिल हो गई है. इस गंभीर आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जुलाई 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की. इस मौलिक पहल का उद्देश्य न केवल सिकल सेल के आनुवांशिक संचरण का उन्मूलन करना है, बल्कि इस रोग से प्रभावित लाखों लोगों के सम्मान और स्वास्थ्य को भी बहाल करना है.

सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है, जिससे उनकी ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता कम हो जाती है और धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने लगती हैं. आदिवासी जनसंख्या के बीच इसका प्रभाव विशेष रूप से गहरा है, क्योंकि वे इस आनुवंशिक बीमारी से असमान रूप से प्रभावित होते हैं. ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज एस्टिमेट्स (2021) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष अनुमानित 82,500 बच्चों का जन्म सिकल सेल रोग के साथ होता है.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इस संकट से निपटने के लिए आधार तैयार किया और इसकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ज़ोर इसी के आधार पर, केंद्रीय बजट 2023 में NSCAEM की घोषणा की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 तक 40 वर्ष से कम आयु के 7 करोड़ व्यक्तियों की मिशन मोड में जाँच करने का लक्ष्य रखा गया. कार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच कार्यक्रमों में से एक बन गया है. इस मिशन का उद्देश्य 2047 तक SCD के आनुवंशिक संचरण को समाप्त करना और पहले से ही इससे पीड़ित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करना भी है.

पहले दो वर्षों में, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से इस मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं. 31 जुलाई 2025 तक, 17 उच्च-व्यापकता वाले राज्यों के 300 से अधिक जिलों में 6.07 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है. जांच किए गए व्यक्तियों में से 2.16 लाख रोगग्रस्त पाए गए, जबकि 16.92 लाख को वाहक के रूप में पहचाना गया. विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 95 प्र.श. मामले केवल पाँच राज्यों—ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र—में केंद्रित हैं.

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के नवापारा की एक युवा आदिवासी लड़की मीना की कहानी इस मिशन के सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक है. जांच अभियान के दौरान नैदानिक परीक्षण किए जाने पर, मीना को निकट के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में नामांकित किया गया. प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ता ने यह सुनिश्चित किया कि उसे नि:शुल्क हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि समय पर मिलती रहे, जिससे सिकल सेल रोग के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई. आज, मीना पहले से कहीं अधिक स्वस्थ है और अपने समुदाय में आनुवंशिक रोगों के परामर्श में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है.

स्क्रीनिंग प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा अनुमोदित पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक उपकरणों को लगाया गया है. शुरुआत में इनकी संख्या केवल तीन तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 30 से अधिक हो गई है. इससे प्रति किट लागत रु.100 से घटकर रु. 28 हो गई है. इस पहल ने SCD के लिए लागत-प्रभावी और कुशल डायग्नोस्टिक क्षमताएँ सुनिश्चित की हैं.इस मिशन का कार्यान्वयन केवल स्क्रीनिंग पर केंद्रित नहीं है; यह एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की समग्र देखभाल को भी प्राथमिकता देता है. मिशन के अंतर्गत प्रबंधन हस्तक्षेपों में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ, आवश्यक दवाओं और निदान तक पहुँच शामिल है. सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख दवा, हाइड्रॉक्सीयूरिया, को राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) में शामिल किया गया है और अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है. जिससे अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुँच सुनिश्चित होती है.

यह मिशन सिकल सेल रोग के उन्मूलन की प्रमुख रणनीतियों के रूप में आनुवंशिक परामर्श और जन जागरूकता पर भी ज़ोर देता है.

CBSE लागू करेगा ओपन बुक परीक्षा

हमारी शिक्षा व परीक्षा प्रणाली में विषय को ठीक से समझने की बजाय रटने पर जोर दिया जाता है. परीक्षा में विद्यार्थी की स्मरणशक्ति जांची जाती है लेकिन यह नहीं देखा जाता कि उसने वर्ष भर जो अध्ययन किया है, वह उसे कितना समझ में आया. छात्र की मौलिक सोच और स्वतंत्र विश्लेषण की क्षमता को विकसित करना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य रहना चाहिए. रटना बुरी बात नहीं है लेकिन इससे उसका शैक्षणिक आकलन नहीं हो पाता, इसलिए परंपरागत परीक्षा प्रणाली में बदलाव के सुझाव दिए जाते रहे हैं. अब सीबीएसई ने ओपन बुक परीक्षा पद्धति लागू करने का निर्णय लिया है. 2026-27 से 9वीं की परीक्षा में इसे लागू किया जाएगा. छात्रों के लिए यह आसान नहीं है क्योंकि जिसने किताब अच्छी तरह ध्यान से पढ़ी होगी वही प्रश्न को समझकर उसका उत्तर पाठ्यपुस्तक से खोज पाएगा और फिर उसे अपने शब्दों में लिख पाएगा. इसके लिए छात्रों को विश्लेषणात्मक लेखन की आदत डालनी होगी. जिसने किताब को हाथ ही नहीं लगाया या शुरू से आखिर तक नहीं पढ़ा, उसे कैसे पता चलेगा कि प्रश्न का उत्तर कहां और किस पन्ने पर मिलेगा. खुली पुस्तक उसके उत्तर लिखने में सहायक होगी. आखिर पीएचडी करने वाले या शोधपत्र लिखने वाले भी तो अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर विश्लेषण के साथ उनके संदर्भ इस्तेमाल करते हैं. इसलिए यह सोचना गलत है कि ओपन बुक परीक्षा प्रणाली आने पर बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे. उन्हें देखना होगा कि निर्धारित समय के भीतर किस पुस्तक की मदद लेकर वह प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं. विदेशी स्कूलों में भी इस तरह की परीक्षा प्रणाली है. सीबीएसई ने पहले भी प्रयोग किए हैं जैसे कि कुछ वर्ष पहले 10वीं की बोर्ड परीक्षा ऐच्छिक रखी थी. विद्यार्थी बोर्ड की बजाय स्कूल की परीक्षा दे सकते थे. स्कूल से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों ने बाद में 12वीं में अच्छे अंक हासिल किए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सबने मनाई अपनी-अपनी आजादी कहां गई नियमों की पाबंदी

पड़ोसी ने हमसे कहा, %निशानेबाज, हमें बताइए कि आपने आजादी की खुशियां कैसे मनाई? प्रधानमंत्री का लाल किले की प्राचीर से प्यारे देशवासियों के नाम दिया गया भाषण सुना या सुबह 10 बजे तक सोते रहे? इस दिन आपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का स्मरण किया अथवा मौजमस्ती करते रहे? हर घर में तिरंगा फहराने के संकल्प को निभाया या नहीं?

हमने कहा, लगता है आप लोगों की दिनचर्या का सर्वे कर रहे हैं और इसकी शुरुआत आपने हमसे की है. अधिकांश सरकारी व बैंक कर्मचारियों को शुक्रवार से रविवार तक 3 दिन का लंबा वीकेंड मिल गया. इस वजह से छुट्टी मनाने निकल पड़े. सबके पास मोबाइल है इसलिए उसी में पीएम के भाषण का अंश देख लिया.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में फर्क करना चाहिए? दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन करना स्वतंत्रता नहीं है. आजादी ने हमें अधिकार दिए हैं तो साथ में कर्तव्य भी दिए हैं. आपको अच्छे नागरिक के रूप में कर्तव्य पालन करना चाहिए.% हमने कहा, %पड़ोसी के घर के सामने

कचरा फेंकने को लोग आजादी मानते हैं. ओटीटी चैनल पर गंदी गाली वाले एपीसोड दिखाने की आजादी है. बेरोकटोक ब्लू फिल्म जैसे सीन अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर दिखाए जाते हैं. यूट्यूब में अच्छी चीजों के अलावा अशोभनीय बातें भी आती हैं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, विपक्ष ने चुनाव आयोग व बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाने को अपनी आजादी मान लिया है. मंत्रियों और नेताओं को हवा-हवाई वादे करने और जुमले सुनाने की आजादी है. एक पार्टी के कार्यकर्ता अपने नेता को भगवान मानने के लिए आजाद हैं. युवाओं को लगता है कि उन्हें सिग्नल तोड़ने, टूव्हीलर पर 4 लोगों की सवारी करने की आजादी है. अतिक्रमणकारी तालाब, खाली प्लाट, फुटपाथ पर कब्जा जमाना अपनी आजादी मानते हैं. कुछ वाहन चालक नशे में वाहन चलाने को स्वाधीनता मान बैठे हैं. डीजे चलानेवालों को लगता है कि वह सारे मोहल्ले की नींद हराम करने के लिए आजाद हैं. विद्यार्थी परीक्षा में नकल की आजादी चाहता है. बिल्डर को लगता है कि पार्किंग की जगह पर भी कमरे या दुकानें बनाने की उसे आजादी है. इस तरह सबकी अपनी-अपनी आजादी है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11994 - डॉ. सागर खादीवाला

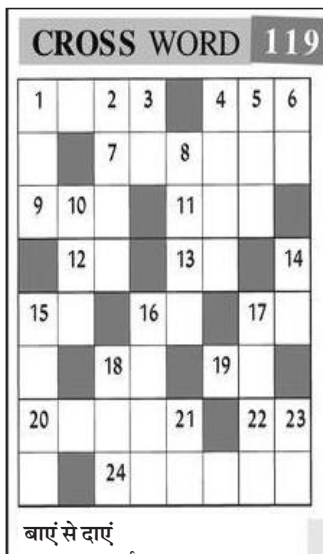

बाएं से दाएं
1. पूरा या पूर्ण करना, समाप्त करना (सं.) 4. पुष्प, सहृदय 7. परदे में रहने वाली (उर्दू) 9. काठ 11. नाई पत्नी, नाई जाति की स्त्री 12. छोटी बस्ती, मुहल्ला 13. प्राप्त करना, हासिल करना 15. लकड़ी चीरने का दांतेदार औजार 16. जानकार, जिसे ज्ञान हो 17. वायु, पवन 18. चित्त, अंत:करण, इरादा 19. समुद्र के जल की तरंग का चढ़ाव 20. इच्छा, अभिलाषा 22. एकाक्ष, एक आंख का 24. देखने में सुंदर (सं.)

ऊपर से नीचे
1. प्रश्न, पूछना, मांग, याचना, भिक्षा की याचना 2. पपड़ीदार जिसमें पपड़ी हो 3. पुरूष, मर्द, पुरूष जाति का 4. जनक की पत्नी का नाम 5. यंत्र, कल (अं.) 6. ईसाई साध्वी (अं.) 8. खानपान, अन्न जल, जीविका, रहने का संयोग 10. प्याली, छोटा कटोरा 14. परिचर्या, टहल, खिदमत 15. धार्मिक पूजाओं में मंत्र पढ़कर जल पीना 16. ज्ञान से परिपूर्ण, चिन्मय 17. पत्र आदि पहुंचाने वाला दूत, पत्रवाह 18. घर, गृह, निवास स्थान 21. माता का पिता 23. किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाला शब्दअबेर

Solution 11993

आ	शी	र्वा	द	■	अ	बे	र
न	ल	■	र	वि	■	ह	वा
बा	■	अ	■	घ	टि	या	■
न	र	मा	ह	ट	■	■	गु
■	■	व	ज	न	■	भा	ला
■	क	स	म	■	क	■	ब
ल	व	■	■	स	ल	ह	ज
ब	च	प	न	■	म	■	ल

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अचानक धन लाभ का योग है, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा, साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, धन संकट का सामना करना होगा, वर्ष के अन्त में व्यक्तिगत संबंधों मेंसुधार होगा, मित्रों के सहयोग से लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों से धन संकट का सामना करना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का साझेदारी में विवाद बढ़ेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग, व्यापार मं वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

सिंह राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्रों की मदद मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निजी पुरूषार्थ की प्राप्त होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार होगा. खेलकूद के प्रति रूचि रखेगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. बचपन में आकस्मिक स्वास्थ्य पीड़ा होगी, बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. पिता का भक्त होगा. जीवन में सुख एवं आनंद बना रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

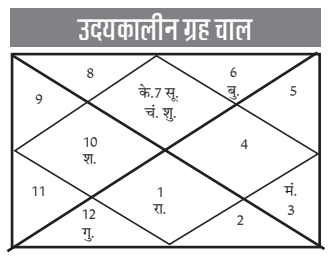

पंचांग

रा.मि. 27 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण दशमीं चन्द्रवासरे शाम 5/50, मृगशिरा नक्षत्रे रात 3/30, हर्षण योगे रात 1/20, वणिज करणे सू.उ. 5/34 सू.अ. 6/26, चन्द्रचार वृषभ शाम 4/12 से मिथुन, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक-4,6,0.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण दशमीं को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, चना, कपास, सन, वस्त्र, तांबा के भाव में तेजी होगी, अन्य वस्तुओं में हल्की तेजी की लाईन रहेगी. भाग्यांक 2512 है.

मेष- भूमि भवन के क्रय-विक्रय की योजना बनेगी. जल्दबाजी में लिये निर्णय बदलना पड़ सकते हैं. दिनचर्या सामान्य रहेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी होगी.

वृषभ- सामाजिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा. यात्रा का कार्यक्रम बनेगा. प्रयासों में सफलता मिलेगी. राजकीय कार्यों में उन्नति होगी.

मिथुन- सूचनाओं के आदान-प्रदान से कारोबार में अच्छा कमा सकते हैं. अचानक नये कार्य सामने आ सकते हैं, उसमें सफलता मिलेगी. व्यापारिक यात्रा उपयोगी रहेगी.

कर्क- बिखरे कार्य समेटने में मित्रों की मदद मिलेगी. दूर की यात्रा का अवसर मिलेगा. आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी. साहसिक प्रयत्नों से लाभ होगा.

सिंह- छोटी छोटी बातों को दिल में लेगें तो रिश्तों में दरार पड़ सकती है. इसे ध्यान में रखें. मित्रों एवं कुटुम्बियों से सहयोग मिलेगा. मानसिक संतोष मिलेगा.

कन्या- मित्रों का उपेक्षापूर्ण व्यवहार खुशी करेगा, सोच समझकर कार्य को अंजाम दें. साहस पराक्रम एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. अधिनस्थ वर्ग का सहयोग रहेगा.

तुला- धन संबंधी मामलों में दूसरों पर भरोसा करने की बजाय सब कुछ अपने हाथ में रखें. पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. मन में प्रसन्नता रहेगी.

वृश्चिक- किसी का साथ आपको जीवन की दिशा बदलेगा. नए संपर्क बनेंगे. शत्रुओं पर आपका प्रभाव बना रहेगा. संचित लाभ का योग है. अच्छी बात सुनने को मिलेगी.

धनु- दूसरों के घरेलू मामले में दखल न दें. आय के मार्ग प्रशस्त होगें. कोई सुखद, शुभ समाचार प्राप्त होगा. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें.

मकर- रचनात्मक कार्यों के लिये सम्मान मिल सकता है. साझेदारी में नई योजना शुरू होगी. मानसिक अस्थिरता रहेगी. संतान संबंधी कार्य में व्यस्तता रहेगी.

कुम्भ- विरोधियों की गतिविधियों पर ध्यान दें. किसी प्रिय व्यक्ति से मानसिक पीड़ा हो सकती है. आर्थिक नुकसान होगा. लाभ ककम, व्यय की अधिकता रहेगी.

मीन- किसी महत्वपूर्ण योजना को लेकर चल रहे प्रयास सफल होंगे. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी. श्रेष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलेगा.

SUDOKU 7126

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7125

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1